सेंट्रल कारागार में मनाया गया रक्षाबंधन का उत्सव

रायपुर। सेंट्रल कारागार में कैदी भाईयों को स्नेह का प्रतीक 'रक्षा-सूत्र' बांधते हुए ब्र.कु.सविता बहन।

रायपुर। रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर केंद्रीय कारागार में कैदियों के लिए आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राजयोग शिक्षिका ब्र.कु.सविता बहन ने कहा कि आज दुनिया में जिस तेजी से विज्ञान और तकनीक का विकास हो रहा है उसी तेजी से मनुष्य के जीवन में नैतिक मूल्यों का भी पतन हो रहा है, क्योंकि आज व्यक्ति का झुकाव आध्यात्मिकता की ओर न होकर भौतिकता की ओर हो गया है। जिसके कारण व्यक्ति स्वयं से व समाज से दूर होता जा रहा है। और उसका जीवन कष्टमय बनता जा रहा है। हमें यह समझना चाहिए कि आज से हजारों वर्ष पहले जब इतने सुख-सुविधाओं के साधन नहीं थे, फिर भी मानव जीवन सुखी था और मुल्यों से सम्पन्न था। उसके जीवन में प्रेम, मधुरता, स्नेह एवं विश्वास की अविरल गंगा प्रवाहित होती रहती थी। उनके द्वारा किये गये कर्म एक-दूसरे को सुख पहुंचाते थे। इसलिए हमें देह-अभिमान को छोड़कर नैतिकता को जीवन में धारण करना होगा तभी हमारा जीवन सुखमय बन सकता है। उन्होंने आगे बताया कि हमारे द्वारा किये गये श्रेष्ठ कर्म ही सुख-शांति का आधार है। यदि हम अपने जीवन को सुखमय बनाना चाहते हैं तो हमें श्रेष्ठ कर्म करने होंगे और इसकी शिक्षा हमें राजयोग देता है।

ब्र.कु.रश्मि बहन ने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व हमें मन-वचन-कर्म से पवित्रता को अपनाने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर जो तिलक लगाया जाता है वह 'आत्म-स्मृति' का प्रतीक है और मुख मीठा कराने का अर्थ है कि हम मुख से सदा मधुर बोल ही बोले।

सभी कैदी भाईयों ने रक्षाबंधन के अवसर पर अपनी शुभकामना व्यक्त करते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में इतना प्यार, स्नेह और सम्मान कभी नहीं मिला। यदि हमें सही मार्गदर्शन मिल गया होता है तो हम इस ओर कभी अग्रसर नहीं होते। उन्होंने ब्रह्माकुमारी बहनों का धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने समय रहते हमें इसकी शिक्षा दी और जीवन जीने की कला बतायी। जिसका सदुपयोग हम स्वयं के व दूसरों का जीवन श्रेष्ठ बनाने में करेंगे।

इस अवसर पर कारागार के सभी अधिकारियों व कैदियों को 'रक्षा-सूत्र' व 'आत्म-स्मृति' का तिलक भी लगाया गया। और सभी को जीवन में अच्छाईयों को धारण करने और श्रेष्ठ कर्म करने की प्रतिज्ञा भी कराई गई।

रक्षाबंधन पर्व हमें मन, वचन तथा कर्म से शुद्ध रहने की स्मृति दिलाता

केंद्रीय कारागृह में एक कार्यक्रम का आयोजन

दुर्ग। केंद्रीय कारागार में जेल के अधिकारियों को 'आत्म-स्मृति' का तिलक व 'रक्षा-सूत्र' बांधते हुए ब्र.कु.रूपाली बहन तथा अन्य।

दुर्ग, छ.ग.। स्थानीय सेवाकेन्द्र द्वारा रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर केंद्रीय कारागृह में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसे सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.रूपाली बहन ने कहा कि 'रक्षाबंधन' का पावन पर्व हमें मन, वचन तथा कर्म से शुद्ध रहने की स्मृति दिलाता है। यह पर्व हमें समाज व परिवार के प्रति जिम्मेवारियों का एहसास दिलाता है तो वहीं दूसरी ओर हमारे कर्त्तव्यों की भी याद दिलाता है। यदि हम अच्छे कर्म करते हैं तो इसका फल भी अच्छा ही मिलता है। कोई भी गलत कार्य करने से पहले हमें अपनी अंतरात्मा की आवाज अवश्य ही सुननी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे भाग्य का आधार वर्तमान समय में किये गये कर्म ही होते हैं। इसलिए हम जैसा चाहे वैसा भाग्य बना सकते हैं, यह हमारे अपने ही हाथों में है। सुबह उठते के साथ ही मन में श्रेष्ठ संकल्प करने चाहिए क्योंकि यही वह समय होता है जब हम मन में श्रेष्ठ बीज डालते हैं और जिसका प्रभाव हमारे दिनभर के कार्यों पर पड़ता है। जब हम परमात्मा की स्मृति में रहकर कर्म करते हैं तो वह कर्म हमारे लिए सुखदायी बन जाता है व उसके परिणाम भी सुखदायक होते हैं। उन्होंने कहा कि हमें प्रतिदिन तीन गोली अवश्य खानी चाहिए, पहला है शांति, दूसरा धैर्य व तीसरा पवित्रता का, जिससे हमारा जीवन स्वस्थ व सुखमय बन जाता है।

केंद्रीय कारागार के जेलर बापजेयी ने अपनी शुभकामना देते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारी बहनें प्रतिवर्ष यहां आती है और हम सबको बहुत ही स्नेह से राखी बांधती है। यदि हम इनकी बातों को अमल में लायें तो इससे सर्व का कल्याण हो जायेगा। जेल अधीक्षक शेखर लिग्गा ने रक्षाबंधन के अवसर पर सभी को अपनी शुभकामानाएं दी।

इस पावन पर्व के अवसर पर सभी कैदी भाईयों एवं जेल के अधिकारियों को 'आत्म-स्मृति' का तिलक व 'रक्षा-सूत्र' बांधकर सभी को श्रेष्ठ जीवन जीने की प्रतिज्ञा भी कराई।

अग्रवाल नगर, इंदौर। पुलिस अधीक्षक को 'रक्षा-सूत्र' बांधते हुए ब्र.कु.सवित्री बहन।

टिकरापारा, बिलासपुर। 'रक्षाबंधन' के शुभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.मंजु बहन।

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल शेखर दत्त को 'आत्म-स्मृति' का तिलक देने के पश्चात् 'रक्षा-सूत्र' बांधते हुए क्षेत्रीए संचालिका ब्र.कु.कमला दीदी।

जबलपुर। विधानसभा के अध्यक्ष ईश्वर दास रोहिणी को 'रक्षा-सूत्र' बांधते हुए ब्र.कु.विमला बहन।

मंदसौर। सिविल सर्जन एस.एल.वर्मा को 'रक्षा-सूत्र' बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.स्मिता बहन।

जगदलपुर। महापौर किरण देव को 'आत्म-स्मृति' का तिलक देने के पश्चात् 'रक्षा-सूत्र' बांधते हुए ब्र.कु.मंजूषा बहन।

धमतरी। जिला जेल में कैदियों को 'आत्म-स्मृति' का तिलक व 'रक्षा-सूत्र' बांधते हुए ब्र.कु.सरिता बहन, ब्र.कु.नवनीता बहन एवं ब्र.कु.अंजु बहन।

रतलाम, शास्त्रीनगर। मध्यप्रदेश के गृहमंत्री भरत उमाशंकर गुप्ता को ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा की जा रही सेवाओं से अवगत कराते हुए ब्र.कु.सविता बहन।